International Journal of Applied Research 2017; 3(6): 98-100

ISSN Print: 2394-7500
ISSN Online: 2394-5869
Impact Factor: 5.2
IJAR 2017; 3(6): 98-100
www.allresearchjournal.com
Received: 16-04-2017
Accepted: 17-05-2017

डॉ0 सुप्रिया शुक्ला
प्रवक्ता, भूगोल विभाग
वी.एस.एस.डी., कालेज, कानपुर

डॉ0 साधना रानी
विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग
वी.एस.एस.डी., कालेज, कानपुर

Correspondence
डॉ0 सुप्रिया शुक्ला
विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग
वी.एस.एस.डी., कालेज, कानपुर

कानपुर जनगणनां मण्डल में तीव्र जनसंख्या वृद्धिः एक चुनौती

डॉ0 सुप्रिया शुक्ला, डॉ0 साधना रानी

सारांश
किसी भी अध्ययन अथवा विश्लेषण में जनसंख्या अध्ययन का महत्वपूर्ण स्थान होता है। मानव सभी आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्रिया–कलापों का केन्द्र बिन्दु है। संक्षेप में मानव एक महत्वपूर्ण संसाधन है, किन्तु जनसंख्या का अतिरिक्त होने से अनेक समस्याओं का जन्म होता है। तीव्र जनसंख्या वृद्धि के कारण बेरोजगारी, भुखमरी, जल संकट, अशिक्षा, अपराध, ऊर्जा संकट एवं पर्यावरण प्रदूषण जैसी अनेक समस्याओं का जन्म होता है।

उत्तर प्रदेश राज्य के पश्चिमी भाग में स्थित कानपुर मंडल का अंक्षाशीय विस्तार 25^0 52′ से 27^0 42′ उत्तरी अंक्षाश एवं देशान्तरीय विस्तार 27^0 42′ से 80^0 38′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। इस मंडल का कुल क्षेत्रफल 15090 वर्ग किमी0 है। मण्डल में जिलों की संख्या 6 है जिनमें कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, कन्नौज तथा फर्ररूखाबाद जिले सम्मिलित है। मण्डल में तहसीलों की संख्या 21 तथा ब्लाकों की संख्या 49 है। मण्डल का प्रधान कार्यालय कानपुर में स्थित है। कानपुर मण्डल देश के अन्य भागों से रेल व सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा है।

प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक आंकड़ो पर आधारित है, जो विभिन्न सरकारी विभागों से प्राप्त किये गये हैं आंकड़ों के आंकलन के लिये औसत माध्य विधि का प्रयोग किया गया है। तत्पश्चात् मण्डल की औसत वृद्धि के आधार वृद्धि के आधार पर मण्डल के जनपदों को तीन भागों में बॉटा गया है।

इस प्रकार जनसंख्या के दशकीय वृद्धि प्रतिशत के आधार पर कानपुर मंडल क्षेत्र के जिलों को तीन वर्गों में विभक्त किया जा सकता है।

1. अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि के क्षेत्र – इसके अन्तर्गत कानपुर नगर जनपद सम्मिलित है।
2. मध्यम जनसंख्या वृद्धि के क्षेत्र – इसके अन्तर्गत क्रमशः कन्नौज, औरैया, और फर्ररूखाबाद आदि जनपद सम्मिलित है।
3. निम्न जनसंख्या वृद्धि के क्षेत्र – इसके अन्तर्गत कानपुर देहात तथा औरैया जनपद सम्मिलित है।

मण्डल क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण हेतु कुछ प्रमुख उपायों में शिक्षा का प्रसार विशेषकर स्त्री शिक्षा पर बल, जनसंख्या वृद्धि के नियंत्रण हेतु जनजाग्रति एवं सरकारी नीतियों एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम का सभी धर्मों एवं वर्गों पर सख्ती से क्रियान्वयन करना आदि प्रमुख हैं।

कूटशब्दः कानपुर जनगणनां, तीव्र जनसंख्या वृद्धि, परिवार नियोजन कार्यक्रम

प्रस्तावना

किसी भी अध्ययन अथवा विश्लेषण में जनसंख्या अध्ययन का महत्वपूर्ण स्थान होता है। मानव सभी आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्रिया–कलापों का केन्द्र बिन्दु है। संक्षेप में मानव एक महत्वपूर्ण संसाधन है, किन्तु जनसंख्या का अतिरिक्त होने से अनेक समस्याओं का जन्म होता है। तीव्र जनसंख्या वृद्धि के कारण बेरोजगारी, भुखमरी, जल संकट, अशिक्षा, अपराध, ऊर्जा संकट एवं पर्यावरण प्रदूषण जैसी अनेक समस्याओं का जन्म होता है।

संक्षेप में, मानव एक महत्वपूर्ण संसाधन है, किन्तु जनसंख्या का अतिरिक्त होने से अनेक समस्याओं का जन्म होता है। तीव्र जनसंख्या वृद्धि के कारण बेरोजगारी भुखमरी, जल संकट, अशिक्षा, अपराधीकरण, ऊर्जा संकट तथा पर्यावरण प्रदूषण जैसी अनेक समस्याओं का जन्म होता है। दिन प्रतिदिन तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या एवं उसी गति से बढ़ती आवश्यकताएं भू–तल पर पाये जाने वाले संसाधनों पर दबाव बना रही है। जनसंख्या और भोज्य सामग्री के बढ़ते हेतु आंकड़ों का गति सम्मान नहीं होती है। अतः बढ़ती हुई जनसंख्या पर नियंत्रण करना आज के समय ही महती आवश्यकता बन गई है।

वर्तमान समय में जनसंख्या की तीव्र वृद्धि किसी क्षेत्र विशेष की समस्या न होकर एक विश्वव्यापी समस्या के रूप में सामने आई है, जो अन्य कई समस्याओं का मूल आधार है।

विश्व के परिप्रेक्ष्य में जनसंख्या की वृद्धि का आंकलन करें तो इसमें निरन्तर उत्तरोत्तर तीव्र वृद्धि अंकित की गई। सन् 1650 में विश्व की जनसंख्या 55 करोड़ थी, जो 1850 में 117 करोड़ तथा 1950 में लगभग 250 करोड़ हो गई। 1950 से 2000 के मध्य सर्वाधिक वृद्धि हुई। सन् 2000 में विश्व की जनसंख्या 600 करोड़ से अधिक हो गई।?

भारत में जनसंख्या वृद्धि पर अत्यन्त ऊँची है। मात्र 20वीं शताब्दी में ही भारत की जनसंख्या में लगभग 4 गुना की वृद्धि हुई। सन् 1951 के बाद जनसंख्या में अत्यधिक वृद्धि हुई। 1951 में देश की जनसंख्या 35 करोड़ थी जो 2001 में 100 करोड़ हो गई। जनसंख्या वृद्धि के कारण ही विकास योजनाएँ तथा औद्योगिक व कृषि उत्पादन में वृद्धि के प्रयास असफल प्रतीत होते है।

सन् 2001 की जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 1.66.05.259 है जिसमें पुरूषों की संख्या 8.74.66.301 तथा महिलाओं की संख्या 7.85.86.558 है। राज्य में सन् 1991 से 2001 के मध्य 34054055 अर्थात् +25.80ः की दशकीय वृद्धि अंकित की गई जो पिछले दशक की तुलना में (25.55) 0.25 प्रतिशत अधिक है। जनसंख्या की दृष्टि से राज्य का देश में प्रथम स्थान है, जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से छठवां स्थान है।

कानपुर मण्डल का सामान्य परिचय

उत्तर प्रदेश राज्य के पश्चिमी भाग में स्थित कानपुर मंडल का अंक्षाशीय विस्तार 25^0 52′ से 27^0 42′ उत्तरी अंक्षाश एवं देशान्तरीय विस्तार 27^0 42′ से 80^0 38′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। इस मंडल का कुल क्षेत्रफल 15090 वर्ग किमी0 है। मण्डल में जिलों की संख्या 6 है जिनमें कानपुर नगर, कानपुर देहात, इटावा, औरैया, कन्नौज तथा फर्ररूखाबाद जिले सम्मिलित है। मण्डल में तहसीलों की संख्या 21 तथा ब्लाकों की संख्या 49 है। मण्डल उत्तर–प्रदेश के मैदानी भाग में स्थित है यह की अधिकांश जनसंख्या का मुख्य व्यवसाय कृषि है। मण्डल का प्रधान कार्यालय कानपुर में स्थित है। कानपुर मण्डल देश के अन्य भागों से रेल व सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा है।

सन् 2001 की जनगणना के अनुसार कानपुर मण्डल की कुल जनसंख्या 1,12,03.517 है जिसमें पुरूषों की संख्या 60.14.429 तथा महिलाओं की संख्या 51,89,088 है। मण्डल में दशकीय वृद्धि की प्रतिशत दर 2001 में 21023 थी। क्षेत्रफल तथा जनसंख्या की दृष्टि से जनपद कानपुर नगर का मण्डल में प्रथम स्थान है, जो राज्य में दूसरा स्थान हैं सन् 2001 में जिले की दशकीय वृद्धि दर 27017 थी जो कि 1981–91 के दशक में 22.54% थी। 1991 में राज्य की जनसंख्या में कानपुर नगर का प्रतिशत 246% था जो 2001 में 2.49% हो गया।

जनसंख्या की दृष्टि से जनपद कानपुर देहात दूसरे (1584037), फर्रूखाबाद तीसरे (1577237), कन्नौज (1385227) चौथे, इटावा पांचवे (1340031) तथा औरैया (11,79,496) छठे स्थान पर है। इनकी दशकीय वृद्धि 1991–2001 के मध्य क्रमशः 21.55, 22.80, 19.58, 21.59 तथा 14.70% थी। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या का 6.74% भाग मण्डल में निवास करता है।

सारणी 1: जनसंख्या वृद्धि 2001

जनपद	कुल जनसंख्या	स्त्री	पुरूष	दशकीय वृद्धि %
कानपुर नगर	4137489	1923534	2213955	27.17
कानपुर देहात	1584037	730471	853566	21.55
फर्रूखाबाद	1577237	729149	848088	22.80
कन्नौज	1385227	643847	741380	19.58
इटावा	1340031	618118	721913	21.59
औरैया	1179496	543969	635527	14.70

विगत 50 वर्षों में मण्डल की जनसंख्या वृद्धि दर में निरन्तर वृद्धि हुई। 1951–61 के मध्य यह 20.97% थी, जो कि 1971–81 के मध्यम 23.63 हुई तथा 1991–2001 के मध्य घटकर 21.23% हो गई। दशकीय वृद्धि की दृष्टि से कानपुर नगर में इस वृद्धि में 1981–91 के दशक को छोड़कर सभी दशकों में वृद्धि दर बढ़ीमण्डल में जनपद वार दशकीय वृद्धि का विवरण इस प्रकार है :

सारणी 2: दशकीय वृद्धि प्रतिशत में

जनपद	1951–61	1951–71	1971–81	1981–91	1991–01	जनपदवार दशकीय वृद्धि %
कानपुर नगर	24.24	26.90	27.03	22.54	22.54	21.31
कानपुर देहात	19.57	23.38	19.97	19.89	19.89	17.39
फर्रूखाबाद	12.65	24.01	24.38	24.46	24.46	18.05
कन्नौज	25.54	16.17	27.49	24.49	24.49	18.87
इटावा	20.97	22.63	16.84	17.24	17.24	16.54
औरैया	22.82	22.18	26.02	27.23	27.23	18.82
मण्डलीय औसत दशकीय वृद्धि	20.97	22.71	23.62	22.64	22.64	

तालिका संख्या 1 के अनुसार सबसे उच्च वृद्धि दर जनपद कानपुर तथा इटावा जनपद की है, जो 1981–91 की तुलना में 2001 में क्रमशः 22.54 से 27.17 कानपुर में तथा 17.24 से 21.59 इटावा में है।

उपर्युक्त तालिका नं0 2 से स्पष्ट है कि सन् 1961 से 1981 के मध्य जनसंख्या में तीव्र वृद्धि हुई किन्तु वर्ष 1981 से 2001 के मध्य वृद्धि दर में कमी आयी है। विगत एक दशक में जहां कानपुर नगर की जनसंख्या में लगभग 5% की वृद्धि हुई, वहीं

औरैया जनपद की जनसंख्या वृद्धि दर में लगभग 13% की कमी आयी है।

इस प्रकार जनसंख्या के दशकीय वृद्धि प्रतिशत के आधार पर कानपुर मंडल क्षेत्र के जिलों को तीन वर्गों में विभक्त किया जा सकता है –

1. अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि के क्षेत्र – इसके अन्तर्गत कानपुर नगर जनपद सम्मिलित है।
2. मध्यम जनसंख्या वृद्धि के क्षेत्र – इसके अन्तर्गत क्रमशः कन्नौज, औरैया, और फर्रूखाबाद आदि जनपद सम्मिलित है।
3. निम्न जनसंख्या वृद्धि के क्षेत्र – इसके अन्तर्गत कानपुर देहात तथा औरैया जनपद सम्मिलित है।

विधितन्त्र

प्रस्तुत अध्ययन द्वितीयक आंकड़ो पर आधारित है, जो विभिन्न सरकारी विभागों से प्राप्त किये गये हैं आंकड़ों के आंकलन के लिये औसत माध्य विधि का प्रयोग किया गया है। तत्पश्चात् मण्डल की औसत वृद्धि के आधार वृद्धि के आधार पर मण्डल के जनपदों को तीन भागों में बॉटा गया है।

समस्याएँ तथा उपाय

कानपुर नगर में जनसंख की वृद्धि क मुख्य कारणों में नगरीकरण रोजगार, शैक्षिक सुविधाएं आदि प्रमुख है। अतः स्पष्ट है कि उपयुक्त जनपदों में जनसंख्या वृद्धि एक गम्भीर समस्या है, जिसके कारण कई अन्य समस्याएँ उत्पन्न हो रही है जिसमें अशिक्षा, बेरोजगारी, आवास संकट, पेयजल संकट, अपराधीकरण, ऊर्जा संकट एवं पर्यावरण प्रदूषण में वृद्धि आदि प्रमुख हैं।

कानपुर मण्डल क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण हेतु कुछ प्रमुख उपायों में शिक्षा का प्रसार विशेषकर स्त्री शिक्षा पर बल, जनसंख्या वृद्धि के नियंत्रण हेतु जनजाग्रति एवं सरकारी नीतियों एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम का सभी धर्मों एवं वर्गों पर सख्ती से क्रियान्वयन करना आदि प्रमुख हैं, क्योंकि इसके अभाव में सभी उपाय निरर्थक है। इसके अतिरिक्त सरकारी नीतियों एवं परिवार नियोजन कार्यक्रम का सभी धर्मों एवं वर्गों पर सख्ती से क्रियान्वयन करना आवश्यक है। इसके पश्चात ही क्षेत्र का समुचित एवं संतुलित सामाजिक–आर्थिक विकास संभव हो सकेगा।

सन्दर्भ

1. जनसंख भूगोल – (आर.सी. चांदना) 2001।
2. सांख्यिकी पत्रिका ''कानपुर मण्डल'' 1991।
3. जनगणना पत्रिका, जनगणनां विभाग, लखनऊ।
4. जनगणनां पत्रिका, उत्तर प्रदेश, 2001।